

SEMESTER IV**GENERIC ELECTIVE****1 Paper****Total 100 x 1 = 100 Marks****IV. GENERIC ELECTIVE (GE 4)**

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)

सामान्यीकृत चयन –GE 4:

(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100**Pass Marks Th ESE = 40****प्रश्न पत्र के लिए निर्देश****छमाही परीक्षा :**

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में छः में से किन्हीं चार 20 अंको के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप-विभाजन हो सकते हैं।

रचनात्मक लेखन की विधाएँ**सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान****इकाई –1** कविता के विविध रूप

– प्रबन्ध काव्य, खण्ड काव्य, चम्पू काव्य, मुक्तक काव्य, गीत, गजल, छंद, लय और तुक।

इकाई –2 नाटक के विविध रूप

– पूर्णकालिक नाटक, एकांकी, काव्य नाटक, रंगमंच।

इकाई –3 उपन्यास और कहानी

– लघुकथा और व्यंग्य, आत्मकथा और जीवनी, संस्मरण और यात्रावृत्तांत, डायरी और पत्र लेखन।

अनुशंसित पुस्तकें :-

- | | |
|---|--|
| <input type="checkbox"/> वांग्मय विमर्श | : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| <input type="checkbox"/> साहित्यिक विधाएँ – पुनर्विचार | : डॉ० हरिमोहन |
| <input type="checkbox"/> हिन्दी की नई विधाएँ | : डॉ० कैलाशचन्द्र भाटिया |
| <input type="checkbox"/> साहित्यालोचन | : श्यामसुन्दर दास |
| <input type="checkbox"/> साहित्य सहचर | : डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| <input type="checkbox"/> विधाओं का विन्यास | : अनन्त विजय |
| <input type="checkbox"/> साहित्यिक विधाएँ-सैद्धान्तिकपक्ष | : मधुधवन |
| <input type="checkbox"/> काव्य के रूप | : गुलाब राय |
| <input type="checkbox"/> सिद्धांत और अध्ययन | : गुलाब राय |
| <input type="checkbox"/> हिंदी काव्य विमर्श | : गुलाब राय |
| <input type="checkbox"/> काव्य के तत्त्व | : आ० देवेन्द्रनाथ शर्मा |
| <input type="checkbox"/> अलंकार मुक्तावली | : आ० देवेन्द्रनाथ शर्मा |
| <input type="checkbox"/> अलंकार प्रकाश | : डॉ० रमेशचन्द्र पाठक |
| <input type="checkbox"/> हिंदी आलोचना कल और आज | : डॉ० केदार सिंह |
| <input type="checkbox"/> काव्यशास्त्र निरूपण | : डॉ० विजय कुमार वेदालंकार, डॉ० जंग बहादुर पाण्डेय |